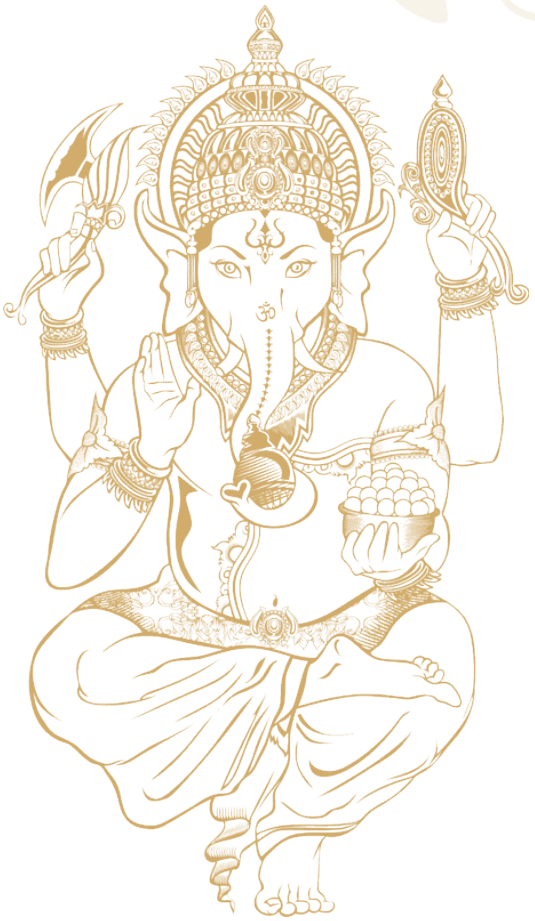

Saurabh

Neha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121648104

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/12/1997	जन्म तिथि	15-16/04/2001
बुधवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 23:10:00	जन्म समय	02:04:00 घंटे
घटी 40:21:57	जन्म समय(घटी)	50:24:09 घटी
India	देश	India
Agra	स्थान	Aligarh
27:09:00 उत्तर	अक्षांश	27:54:00 उत्तर
78:00:00 पूर्व	रेखांश	78:04:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:18:00	स्थानिक संस्कार	-00:17:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:01:13	सूर्योदय	05:53:23
17:26:41	सूर्यास्त	18:42:41
23:49:38	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:12

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 0वर्ष 10मा 21दि		17:50:32	सिंह	लग्न	मक	14:18:03	सूर्य 2वर्ष 6मा 16दि	
शुक्र		01:59:49	धनु	सूर्य	मेष	02:03:18	राहु	
08/11/2022		16:02:27	कर्क	चंद्र	मक	04:20:42	31/10/2020	
08/11/2042		05:45:05	मक	मंगल	धनु	01:31:14	01/11/2038	
शुक्र	10/03/2026	01:01:05	धनु व	बुध	मीन	23:53:47	राहु	14/07/2023
सूर्य	10/03/2027	25:35:46	मक	गुरु	वृष	16:30:48	गुरु	07/12/2025
चन्द्र	08/11/2028	08:30:31	मक	शुक्र व	मीन	07:57:54	शनि	13/10/2028
मंगल	08/01/2030	19:42:31	मीन	शनि	वृष	05:32:14	बुध	02/05/2031
राहु	08/01/2033	19:53:49	सिंह व	राहु व	मिथु	15:32:50	केतु	20/05/2032
गुरु	09/09/2035	19:53:49	कुंभ व	केतु व	धनु	15:32:50	शुक्र	21/05/2035
शनि	08/11/2038	12:33:57	मक	हर्ष	कुंभ	00:11:57	सूर्य	13/04/2036
बुध	08/09/2041	04:37:06	मक	नेप	मक	14:44:04	चन्द्र	13/10/2037
केतु	08/11/2042	12:25:19	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	21:11:09	मंगल	01/11/2038

लग्न-चलित

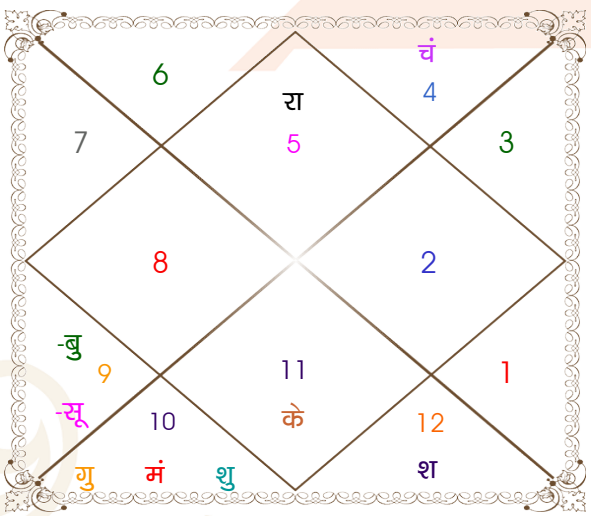

लग्न-चलित

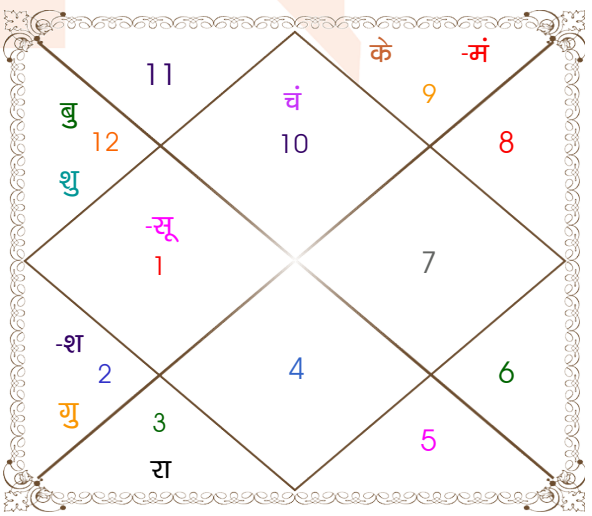

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Saurabh का वर्ग श्वान है तथा Neha का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Saurabh और Neha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Saurabh मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Neha मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Neha कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Saurabh कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Saurabh तथा Neha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।